



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]  
No. 11]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 2, 1973 (ज्येष्ठ 12, 1895)  
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1973 (JYAISTHA 12, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग I—खण्ड 3 PART I—SECTION 3

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं  
Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by  
the Ministry of Defence

### रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1973

सं० 15, दिनांक 15 मई 1973—नियमित सेना में अल्प-कालीन सेवा कमीशन प्रदान करने के लिए अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग के द्वारा परीक्षा के लिए नियत स्थानों तथा तारीखों का उल्लेख संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में किया जाएगा। कोर्स की संख्या तथा अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में प्रारम्भ होने का महीना तथा परीक्षा के परिणाम पर प्रवेश के लिए अनुमानित रिक्त स्थानों की संख्या का आयोग द्वारा जारी की गई सूचना में उल्लेख किया जाएगा।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई लिखित परीक्षा तथा सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा लिए गए इंटरव्यू के परिणामों के आधार पर अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में प्रवेश दिया जाएगा।

3. किसी भी उम्मीदवार को तीन बार से अधिक परीक्षा में प्रतियोगिता के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी

टिप्पणी :—जब कोई उम्मीदवार एक या दोनों विषयों में परीक्षा में बैठ जाता है तो यह समझ लिया जाएगा कि उसने प्रतियोगिता में भाग लिया है।

4. उम्मीदवार को पुरुष होना चाहिए और उसे निम्नलिखित में से एक होना चाहिए :—

- (क) भारत का नागरिक या
- (ख) सिक्किम की प्रजा या
- (ग) भूटान की प्रजा या
- (घ) नेपाल की प्रजा या
- (ङ) मूल रूप से भारतीय हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के केनिया, यूगांडा तथा संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

ऊपर की (घ) तथा (ङ) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जो कि नेपाल के गोरखा नागरिक हों, परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं है।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और जिसे इस शर्त के

साथ अस्थाई रूप से अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती किया जाये कि उसे सरकार अपेक्षित प्रमाण-पत्र देगी।

5. निर्धारित शारीरिक योग्यता स्तर के अनुसार उम्मीदवारों को शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वास्थ्य परीक्षा का मानक अधिसूचना के परिशिष्ट III में दिया गया है।

परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से काफी उम्मीदवार बाद में डाक्टरों जांच के आधार पर अस्वीकार कर दिए जाते हैं। अंत में निराश न होना पड़े, इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि अपने हित में परीक्षा में प्रवेश का आवेदन-पत्र देने से पूर्व डाक्टरों जांच करवा लें।

सेना सेलैक्शन बोर्ड द्वारा सिफारिश किए गए योग्य उम्मीदवार काफी संख्या में सेना डाक्टरों बोर्ड द्वारा जांच किये जायेंगे। ऐसे उम्मीदवार को, जिसे डाक्टरों का बोर्ड योग्य घोषित नहीं करेगा, अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना डाक्टरों के बोर्ड द्वारा डाक्टरों जांच हो जाने का यह अर्थ न लगा लिया जाये कि उम्मीदवार को अन्तिम रूप में चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है तथा उसे किसी को प्रकट नहीं किया जा सकता। उम्मीदवारों को उनके अयोग्य/अस्थाई रूप से अयोग्य होने का परिणाम तथा उनके द्वारा आरोग्यता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाता है। चिकित्सा बोर्ड के परिणाम के सम्बन्ध में चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष को भेजी गई किसी भी याचिका पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

उम्मीदवारों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि यदि उनकी दृष्टि निर्धारित स्तर तक की नहीं है जो उन्हें जब सेना सेलैक्शन बोर्ड द्वारा इन्टरव्यू/डाक्टरों जांच के लिए बुलाया जाए, तब वे अपने चश्मे साथ लायें।

6. ऐसा कोई भी उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रवेश पाने/अल्प कालीन सेवा कमीशन पाने का पात्र न होगा—

- (क) जिसने ऐसी महिला से शादी कर ली हो या उसके लिए करार कर लिया हो जिसका पति जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसकी एक पत्नी जीवित हो और उसने किसी अन्य महिला से शादी कर ली हो या इसके लिए कोई करार कर लिया हो।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से संतुष्ट हो कि स्वीय विधि के अन्तर्गत ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति के लिए और विवाह के दूसरे पक्ष के लिए अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के और भी अन्य कारण हैं, तो इस नियम के लागू होने से छूट दी जा सकती है।

7. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की आयु 19 वर्ष होनी चाहिए और अफसर ट्रेनिंग स्कूल में कोर्स के आरम्भ होने के महीने के प्रथम दिन 23 वर्ष नहीं होना चाहिए।

निर्धारित आयुसीमा किसी भी मामले में बढ़ाई नहीं जायेगी।

8. उम्मीदवार परिशिष्ट 1 में विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालयों की डिग्री रखता हो या परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित अर्हताएं रखता हो।

**टिप्पणी 1 :** विशेष मामलों में लोक सेवा आयोग किसी उम्मीदवार को, जिसके पास इस नियम में निर्धारित की गई शैक्षिक योग्यता न हो तथा वह मानक योग्यता रखता हो जो कि आयोग की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के योग्य हो मान्यता दे सकता है।

**टिप्पणी 2 :** कोई उम्मीदवार जो किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस के उत्तीर्ण करने पर वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने का हकदार हो जाता है किन्तु उसका परिणाम घोषित नहीं किया गया हो, इस परीक्षा में बैठ सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठ रहा हो तो वह भी आवेदन-पत्र दे सकता है ऐसे उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा यदि वह अन्यथा पात्र होंगे किन्तु उनका प्रवेश अस्थायी होगा और वह रद्द किया जा सकता है यदि उन्होंने यथा शीघ्र तथा उस तारीख तक जो संघ लोक सेवा आयोग निर्धारित करेगा, उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न किया हो।

**टिप्पणी 3 :** यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा रूप से अर्हता प्राप्त हो लेकिन उसने किसी ऐसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की है जिसका उल्लेख परिशिष्ट-1 में नहीं किया गया है वह कमीशन के लिए आवेदन कर सकता है और आयोग के स्वविवेक पर उसे परीक्षा में बैठने की इजाजत दी जा सकती है।

9. जो उम्मीदवार पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (भूतपूर्व संयुक्त सेना स्कंध) भारतीय सेना अकादमी (भूतपूर्व सेना कालेज सेना स्कंध), वायु सेना फ्लाईंग कालेज (भूतपूर्व वायुसेना अकादमी) या नौसेना अकादमी कोचीन अथवा अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती हुए हों, किन्तु वहां से अनुशासनिक कारणों से निकाल दिये गये हों, उन्हें थल सेना में अल्पकालीन कमीशन नहीं दिया जायेगा।

जो उम्मीदवार इण्डियन मिलिट्री अकादमी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, एन० सी० सी० तथा ग्रेजुएट कोर्स में से अफसर योग्य गुणों के अभाव में निकाल दिए गए हों, उन्हें थल सेना में अल्पकालीन कमीशन नहीं दिया जाएगा।

19. उम्मीदवारों की पात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. यदि संघ लोक सेवा आयोग ने किसी उम्मीदवार को अपने को दूसरा व्यक्ति बताकर के परीक्षा देने अथवा जाली प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा त्रुटिपूर्ण या झूठे तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी प्रकार का अनुचित आचरण करने के फलस्वरूप अपराधी घोषित किया हो तो उसके विरुद्ध दंडिक कार्यवाही के अतिरिक्त निम्नलिखित द्वारा स्थायी रूप से या विशिष्ट अवधि के लिए वर्जित किया जा सकता है :—

- (क) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिए आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने से अथवा उसके किसी इंटरव्यू में उपस्थित होने से, और

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरी से।

12. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी किया गया प्रवेश पत्र नहीं हो।

13. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन पाने के लिए प्रयत्न करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

14. आयोग द्वारा अधिसूचना के परिशिष्ट II में दी गई पद्धति के अनुसार परीक्षा ली जाएगी।

15. आयोग की सूचना के अनुबन्ध-1 में निर्धारित शुल्क उम्मीदवारों को अवश्य अदा करना चाहिए।

16. संघ लोक सेवा आयोग स्वविवेक से ऐसे उम्मीदवारों की सूची बनायेगी जिन्होंने लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित निम्नतम अंक प्राप्त कर लिए हों। लिखित परीक्षा में अधिकतम अंक 900 हैं। ऐसे उम्मीदवार सेना सेलेक्शन बोर्ड के सामने बुद्धि तथा दायित्व परीक्षा के लिए प्रस्तुत होंगे।

इन उम्मीदवारों को आयोग के स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक (1) लिखित परीक्षा में तथा (2) सेना सेलेक्शन बोर्ड की परीक्षा में अलग-अलग प्राप्त करने होंगे। इसके बाद उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा तथा सेना सेलेक्शन बोर्ड परीक्षाओं से प्राप्त कुल अंकों के अनुसार उनकी योग्यता के आधार पर क्रम में रखा जाएगा। अफसर ट्रेनिंग स्कूल के लिए अंतिम चुनाव योग्यता सूची के आधार पर तथा डाक्टरों की जांच में सब तरह से योग्य पाये जाने पर तथा रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार किया जाएगा।

उम्मीदवारों को सेना सेलेक्शन बोर्ड में अपने जोखिम पर परीक्षा देनी होगी तथा जो परीक्षा वे सेना सेलेक्शन में बोर्ड के समक्ष देगे तथा जिनमें या जिनके फलस्वरूप उन्हें चोट लग सकती है जो कि व्यक्ति की लापरवाही से अन्यथा लगे उसके लिए वे किसी मुआवजे का दावा नहीं कर सकेंगे। उम्मीदवारों को इसके लिए कि आवेदन पत्र में है संलग्न प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में उनसे पत्राचार नहीं करेगा।

18. उम्मीदवार को जब सेना सेलेक्शन बोर्ड में, डाक्टरों की जांच या बाद के प्रशिक्षण के लिए बुलाया जायेगा तब उस समय लागू नियमों के अनुसार वे यात्रा भत्ता पा सकेंगे। जो उम्मीदवार पहले इसी प्रकार के कमीशन के लिए सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत हुए हों उन्हें तब यात्रा भत्ता पाने का हक नहीं होगा जब वे बाद के अवसरों पर सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष इंटरव्यू या डाक्टरों की जांच के लिए बुलाया जाएगा।

19. परीक्षा में उत्तीर्ण होने मात्र से अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने का हक प्राप्त नहीं होता।

उम्मीदवार को नियोजक को संतुष्ट करना पड़ता है कि वह हर प्रकार से अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती के योग्य है।

20. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती हो :

(क) उसे इस आशय के प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि वह या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे का यह अन्य सहायता का कोई हक नहीं होगा यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाये या मृत्यु हो या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किये गये आपरेशन से या संवेदनाहरण औषधी के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावकों को एक बोण्ड पर हस्ताक्षर करना होगा कि किसी कारण से जो उसके नियन्त्रण के अधीन हो यदि उम्मीदवार को संपूर्ण होने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करें या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण लेते हुए शादी कर दें तो यह शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उसका मूल्य या उसका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी लेता है।

21. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत "जेन्टिलमैन कैडेट" के रूप में भर्ती किया जाएगा। ये जेन्टिलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग अफसर के सामान्य नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे। इस अधिसूचना के परिशिष्ट IV में प्रशिक्षण तथा शर्तों का संक्षिप्त व्यौरा दिया गया है।

22. प्रशिक्षण का खर्च जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्दी, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है। सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम खर्च 55 रुपये प्रतिमाह से अधिक की सम्भावना नहीं है किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, पद यात्रा इत्यादि की हौबी रखता हो, तब उन्हें अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह व्यय पूर्ण या आंशिक रूप में न्यूनतम व्यय भी वहन नहीं कर सकता है तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि उसके अभिभावक/संरक्षकों की आय 350 रुपये प्रतिमाह से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपये प्रतिमाह है। उस उम्मीदवार ने, जो वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के उपरान्त निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन पत्र अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापित रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमान्डेंट अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

23. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में पहुँचने के उपरान्त अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :—

(क) जेब खर्च दस महीने के लिए 55.00 रुपये  
रुपये प्रति माह की दर से 550.00

उपर्युक्त धन राशि कैंडेट को यदि उसे आर्थिक सहायता स्वीकृत कर दी जाए वापस की जा सकती है।

(क) दस महीने का जेब खर्च 55.00 रुपये  
प्रति माह की दर से 550.00

24. समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता ग्राह्य होगा।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें जो कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएंगे। कैंडेट जब प्रशिक्षणाधीन हो और त्यागपत्र दे दे या जिसे निकाल दिया जाये या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाये तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा इन वस्तुओं को राज्य का सर्वोत्तम लाभ देखकर निपटान कर दिया जाएगा।

25. प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपत्र देने वाले कैंडेटों को सेना मुख्यालय के द्वारा त्यागपत्र स्वीकृत होने तक छुट्टी पर जाने की अनुमति दी जा सकती है। उनके जाने से पूर्व उनसे प्रशिक्षण व्यय, भोजन तथा अन्य सम्बन्धित व्यय वसूल कर लिया जाएगा। ऐसे कैंडेटों को अपने त्यागपत्र के साथ अपने माता-पिता/अभिभावकों से निम्नलिखित प्रमाण पत्र हस्ताक्षर कराके देना होगा।

(i) मैं एतद्द्वारा अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास के जैन्टलमैन कैंडेट का माता-पिता/अभिभावक अपने प्रतिपात्य जैन्टलमैन कैंडेट नं० \_\_\_\_\_

नाम \_\_\_\_\_ के त्यागपत्र को मंजूर किए जाने के लिए अपनी सहमति देता हूँ।

(ii) मैं इस बात की भी घोषणा करता हूँ कि कैंडेट \_\_\_\_\_ के त्यागपत्र देने के कारण मैं निर्धारित नियमानुसार सरकारी वित्तीय दायित्व अपने ऊपर लेने को सहमत हूँ।

साक्षी \_\_\_\_\_ हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

26. प्रशिक्षण के दौरान अनुपयुक्त पाए जाने वाले कैंडेट को बरखास्त कर दिया जाएगा। सेवारत कार्मिक, जिन्हें कमीशन के लिए अंतिम रूप से नहीं चुना जाएगा, पुनः अपनी मूल सविस में वापस आ जाएंगे।

27. नियमित सेना में अल्पकालीन कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए दिया जाएगा। ऐसे अफसर जो सेना में पांच वर्ष अल्पकालीन कमीशन की अवधि के उपरान्त सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि वे हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त होंगे तब सम्बन्धित नियमों के अन्तर्गत उनके अल्पकालीन कमीशन की अवधि के अंतिम वर्ष में उन्हें स्थायी कमीशन प्रदान करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा जिनको स्थायी कमीशन मंजूर नहीं किया जाएगा उन्हें अगले पांच वर्ष की अवधि के लिए अल्पकालीन कमीशन में बने रहने का विकल्प

दिया जाएगा। अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसर दो वर्ष तक पूर्ण वेतन पर कमीशन सेवा करने के उपरान्त स्थायी लैफ्टि० के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे। कार्यकारी पदोन्नति के सम्बन्ध में वही नियम लागू होंगे जो स्थायी नियमित अफसरों पर लागू हैं।

28. कमीशन प्रदान करने के बाद वेतन और भत्ते, पेंशन छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तें इस अधिसूचना के परिशिष्ट IV में दी गई हैं।

का० वे० रमणमूर्ति,  
उप सचिव

### परिशिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची  
(पैराग्राफ 8 देखें)

#### भारतीय विश्वविद्यालय

भारत में केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा संस्थापित कोई भी विश्वविद्यालय और संसद् के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित, या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालयों के रूप में घोषित अन्य शिक्षा संस्थाएं :—

#### बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय।

मांडले विश्वविद्यालय।

#### इंग्लिश और वेल्श विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डरहम लीड्स, लिबरपूल, लन्दन, मानचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स विश्वविद्यालय।

#### स्काटिश विश्वविद्यालय

एवरडीन, एडिनबरा, ग्लासगो और सेंट एंड्रूज विश्वविद्यालय।

#### आइरिश विश्वविद्यालय

डब्लिन विश्वविद्यालय (ट्रिनोटी कॉलेज)

आयरलैण्ड का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट।

#### पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

#### बंगला देश के विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय

#### नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

**परिशिष्ट 1-क**

परीक्षा में प्रवेश के लिए मान्य अर्हताओं की सूची  
(पैराग्राफ 8 देखें)

1. काशी विद्यापीठ, वाराणसी की शास्त्री।
2. फ्रेंच परीक्षा "प्रापेदयुतीक"।
3. ग्राम्य उच्चतर शिक्षा राष्ट्रीय परिषद् का ग्राम्य सेवाओं में डिप्लोमा।
4. विश्व भारतीय विश्वविद्यालय का ग्राम्य सेवाओं में डिप्लोमा।
5. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का कामर्स में राष्ट्रीय डिप्लोमा।
6. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में नेशनल डिप्लोमा जो कि केन्द्रीय सरकार के अधीन उच्च सेवाओं और पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार द्वारा मान्य है।
7. श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का "उच्चतर पाठ्यक्रम बशर्ते कि यह पाठ्यक्रम "पूर्णकालिक विद्यार्थी" के रूप में सफलतापूर्वक पूरा किया गया हो।
8. इंडियन स्कूल आफ माइम्स, धनबाद का खान "इंजीनियरी में डिप्लोमा"।
9. वैज्ञानिक थोसिस प्रस्तुत किए बिना पहली लेकिन राजकीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर रूस में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं से ग्रेजुएशन के रूप में प्रमाणित मानविकी और प्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्र में डिप्लोमा।
10. वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की शास्त्री (अंग्रेजी सहित) या पुरानी शास्त्री या अतिरिक्त विषयों में, जिनमें से एक विषय अंग्रेजी हो, विशेष परीक्षा के साथ सम्पूर्ण शास्त्री परीक्षा अर्थात् वरिष्ठ शास्त्री।
11. गुरुकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरिद्वार की अलंकार डिग्री।
12. बेरुत के अमरीकी विश्वविद्यालय, बेरुत, लेबनान द्वारा प्रदान की गई कला स्नातक (बी० ए०) और विज्ञान स्नातक (बी० एस०) डिग्रियां।

**परिशिष्ट-II**

प्रतियोगिता परीक्षा निम्नलिखित रूप से होगी :—

- (क) जैसा कि नीचे पैरा 2 में दर्शाया गया है, दो विषयों में लिखित परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए अधिकतम अंक 300 हैं।
- (ख) व्यक्तित्व तथा बुद्धि की जांच के लिए (इस परिशिष्ट के भाग (ख) की अनुसूची के अनुसार) ऐसे उम्मीदवारों का इन्टरव्यू होगा जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सेलेक्शन सेंटर में इन्टरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इन्टरव्यू में अधिकतम अंक 300 होंगे।

2. लिखित परीक्षा के विषय, निर्धारित नियत समय, तथा प्रत्येक विषय में अधिकतम अंक इस प्रकार होंगे :—

विषय	समय	अधिकतम अंक
(1) अंग्रेजी	3 घंटे	150
(2) सामान्य ज्ञान तथा सामयिक मामले	3 घंटे	150

अधिकतम 300 अंकों की लिखित परीक्षा में से उम्मीदवार के द्वारा प्राप्त अंकों को 3 का गुणा किया जाएगा और इस प्रकार जो अंक आएंगे उन्हें अधिकतम 900 अंकों में से प्राप्त अंक समझा जाएगा।

3. सब प्रश्नों का उत्तर अंग्रेजी में दिया जाए जब तक प्रश्न-पत्र में विशेष रूप से अन्यथा न कहा जाए।

4. उम्मीदवारों को सब प्रश्नों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें लेखक की सहायता की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

5. आयोग को अधिकार होगा कि वह परीक्षा के एक या सब विषयों के अंक निर्धारित करें।

6. केवल ऊपरी ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. अपठनीय हस्तलेख पर अधिकतम 5 प्रतिशत अंक काटे जा सकते हैं।

8. परीक्षा के सभी विषयों में क्रमबद्ध, प्रभावकारी, यथार्थ अभिव्यक्ति जो शब्दों की समुचित किरपायत होने पर श्रेय दिया जायेगा।

**अनुसूची****परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण  
भाग "क"**

अंग्रेजी तथा सामान्यज्ञान और सामयिक मामले के प्रश्न-पत्रों का स्तर उतना होना चाहिए जितना कि एक भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से आशा की जाती है।

**अंग्रेजी**

उम्मीदवारों को अंग्रेजी में एक निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्न उनके अंग्रेजी ज्ञान की जानकारी तथा कुशल रूप से शब्दों के प्रयोग को आंचने के लिए पूछे जायेंगे। संक्षिप्त अथवा सारांश (प्रेसी) लेखन के लिए अनुच्छेद दिए जाएंगे।

**सामान्य ज्ञान तथा सामयिक मामले**

सामान्य ज्ञान, जिसमें सामयिक घटनाओं और ऐसे मामलों के वैज्ञानिक पक्षों के रोजमर्रा की बातों और अनुभव शामिल हैं जो कि एक ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने कि किसी

वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास तथा प्राकृतिक भूगोल पर ऐसे प्रश्न होंगे जिन्हें उम्मीदवार बिना विशेष अध्ययन के उत्तर दे सकेंगे।

### भाग छ

#### बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षा

इन्टरव्यू के अतिरिक्त उम्मीदवारों की मूल बुद्धि की जांच करने के लिए मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उन्हें ग्रुप परीक्षण भी दिए जायेंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, भेदानी ग्रुप-कार्य कलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर भाषण संक्षिप्त देने के लिए कहा जायेगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की बुद्धि की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

### परिशिष्ट III

#### अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक

1. अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य ठहराया जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली की जाएगी :

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या मोटापा तो नहीं है,

(ख) हड्डियों और संघियों का विकास तो नहीं है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं आ गई है,

**टिप्पणी** (1) किसी उम्मीदवार की शारीरिक जांच के दौरान अल्पविकसित ग्रीवा पर्शुका के पता लगने पर उम्मीदवार अयोग्य समझा जाएगा।

(2) छाती का एक्स-रे चित्र लेने पर यदि अस्वभाविक अल्पविकसित ग्रीवा पर्शुका का पता चले लेकिन ग्रीवा पर्शुका के चिन्ह, अथवा लक्षण न पाए जाए तो ऐसे उम्मीदवार को शारीरिक दृष्टि से योग्य समझा जाएगा। तथापि यह मामूली शारीरिक दोष है और डाक्टरी बोर्ड की कार्यवाहियों में इसे इसी रूप में जाना होता है।

(ग) हकलाहट तो नहीं है।

(घ) सिर की कुरचना तो नहीं है, खोपड़ी की हड्डी टूटने के कारण या हड्डियों के दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है;

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है और कोई कान रोग ग्रस्त तो नहीं है टेम्पनिक मेम्ब्रेन में कच्चा जड़म और छेव तो नहीं है। उग्र रॉ जीर्ण पीपो तो नहीं है। कर्ण शोष के चिन्ह तो नहीं हैं। आमूल या उपान्तरित आमूल कर्नफूल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

**टिप्पणी** :—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह भर गया हो इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नासा पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रसनी का कोई रोग तो नहीं है।

**टिप्पणी**—नासा पट के छोटे अलक्षणी ऊबधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एकदम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों को जांच और मत के लिए कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्दन में या शरीर के अन्य भागों की ग्रन्थियां बढ़ी हुई तो नहीं है और थाईराइड ग्रन्थि में कोई विलक्षणता तो नहीं है।

**विशेष ध्यान दें** :—तपेदिक की ग्रन्थियों को हटाने के लिए किए आपरेशनों के निशान उम्मीदवार के अस्वीकृति के कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मुक्त पाई जाय।

(ज) गले व तालू टोंसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है या दोनों ओर की अधीहलु संघियों की क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

**विशेष ध्यान दें** :—यदि बार-बार टोंसिल शोष होने का कोई वृत्त न हो तो टोंसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं की क्रिया सम्बन्धी या अंगिक रोग तो नहीं है।

(ञ) फेफड़ों के तपेदिक या इस बीमारी के पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली के किसी विलक्षणता सहित पाचक तंत्र का कोई रोग तो नहीं है।

(ठ) हृन्थि तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

(ड) हाइड्रोसील, या निश्चित बेरिकोसील या जननेन्द्र्यों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

**विशेष ध्यान दें :—**(i) यदि हाइड्रोसील के आपरेशन के बाद कोई रज्जू और अण्डग्रन्थियों की विलक्षणताएं न हों और फाइलेरिया रोग का प्रमाण न हो तो, उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक ओर की अन्तः उदरीय अण्डग्रन्थि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्त कि दूसरी अण्डग्रन्थि सामान्य हो तथा इस अनियमितता के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक उग्र प्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रन्थि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय वलय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ठ) फिस्चुला और/या गुदा का विवर या बवासीर के मस्से तो नहीं हैं।

(ण) गुदों की कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लूकोजमेह या एलब्यूमिन मेह के सभी मामले अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।

(त) अस्थायी अथवा मामूली क्षत-चिन्हों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिक कष्टता आ गई हो या आने की संभावना हो तो उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जाएगा।

(थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(द) मानसिक रोग को कोई वृत्त या प्रमाण नहीं तो है। जिन उम्मीदवारों को भिर्गी आती हो, जिनका पेशाब वैसे ही नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(घ) भोंगापन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या घुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(न) सक्रिय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी अटिलताएं तो नहीं हैं।

**विशेष ध्यान दें :—**प्रवेश से पूर्व इलाज के लिए आपरेशन करवाएं जाएं। अंतिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारंटी नहीं दी जा सकती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम या उसके लिए किए गए

किसी भी व्यय का कोई भी वायित्व सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के नापों के लिए मानक  
(क) कद

(1) कद की नाप उम्मीदवार को मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। इस समय वजन एडियों पर होना चाहिए। पंजों पर या पांव के बाहरी पार्श्वों पर नहीं। यह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एडियां पिंडलियों, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी के नीचे की ओर रखी जाए ताकि सिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा; 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी; 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(2) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य कद 157.5 सेंटीमीटर है किन्तु गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली, उम्मीदवारों के लिए नीचे (ख) (i) में दी गई परस्पर संबंधी सारणी में दिखाए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है।

(ख) (i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जांघिया के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद तथा औसत वजन विषयक परस्पर संबंधी सारणी निर्देश के लिए दी जा रही है।

पिछले जन्म दिवस की आयु	बिना जूतों के ऊंचाई	औसत न्यूनतम वजन	औसत अधिकतम वजन
1	2	3	4
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
19	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	56.0
	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.5 तथा 178.0 से कम	53.5	65.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	58.0	69.5
	183.0 तथा इससे अधिक	62.5	—
20 तथा अधिक	160.0 तथा 165.0 से कम	45.5	56.5
	165.0 तथा 172.5 से कम	50.0	61.0
	172.5 तथा 178.0 से कम	54.5	66.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	59.0	70.5
	183.0 से अधिक	63.5	—

(ii) कद तथा आयु के सम्बन्ध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम-ज्यादा होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपयुक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उनके बारे में भी उपयुक्त सारणी के मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती—छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बांहें सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिरे इस प्रकार से लगाया जायेगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फेरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचा किया जाएगा और शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊंचे उठे या पीछे की ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए। जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी, 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

### दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरी जबड़े के अनुरूपी दांतों को निम्न प्रकार से प्वाइंट दिए जाएंगे।

(i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए दो-दो प्वाइंट। पूरे 32 दांत होने पर कुल प्वाइंट दिए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :—

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी :—जिन उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे होंगे उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जायेगा। जिन उम्मीदवारों का पायरिया दांत अधिकारी की राय में, बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता हो, उन्हें स्वीकार किया जा सकता है?

(5) दृष्टि मानक :—

	(अच्छी आंख)	(खराब आंख)
दूर की नजर (चश्मा लगाकर)	6/6	6/18

किसी एक याम्योत्तर (मेरीडियम) में निकट दृष्टिता (मायोपिया)—3.5 डी० से अधिक नहीं। किसी एक याम्योत्तर (मेरीडियम) में दृष्टिता होइपर (मेट्रोपिया) + 3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी—फेन्ड्स तथा मीडिया स्वस्थ है तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान निकट दृष्टिता के सूचक बिट्टियस या कोरियोरेटीना के अनावश्यक न्यपगनन चिन्ह न हों।

3. दोनों आंखों में द्विनेत्री (वाइडोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।

4. कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना हो।

### रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

प्राथमिक रंगों को पहचानने को असमर्थता के कारण किसी उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जायेगा किन्तु तथ्य को कार्य-वाही में रिकार्ड कर लिया जायेगा। तथा उम्मीदवार को इसकी सूचना दे दी जायेगी।

### 6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जायेगी। जहां आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आरियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) वाक परीक्षण—उम्मीदवार को, जो एक उचित ढंग से शांत कमरे में परीक्षक की ओर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो, प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वस्त के अंत में लेगा।



(ख) श्रव्यता मितिक रिकार्ड—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकिल प्रति सैकिंड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। श्रव्यतामितिक पाठ्यांक + 10 तथा -10 के बीच होना चाहिए।

#### परिशिष्ट—IV

सेवा का संक्षिप्त व्योरा निम्नलिखित है :—

#### प्रशिक्षण :—

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेंटलमैन कैडेट के रूप में भर्ती किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग नौ माह का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने की तारीख से 2 लेफ्टि० के पद पर अल्पकालिक कमीशन दिया जाएगा।

#### सेवा शर्तें

#### (क) परिबीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 माह तक परिबीक्षा पर रहेगा। यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसे परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने के पूर्व या उसके बाद किसी भी समय निकाला जा सकता है।

#### (ख) तैनाती

अल्पकालीन कमीशन प्राप्त व्यक्तियों को भारत या विदेश में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

#### (ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित सेना में अल्पकालीन कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए दिया जाएगा। ऐसे अफसर जो सेना में पांच वर्ष अल्पकालीन कमीशन की अवधि के उपरान्त सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि वे हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त होंगे तब सम्बन्धित नियमों के अन्तर्गत उनके अल्पकालीन कमीशन की अवधि के अंतिम वर्ष में उन्हें स्थायी कमीशन प्रदान करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा। जिनको स्थायी कमीशन मंजूर नहीं किया जाएगा उन्हें अगले पांच वर्ष की अवधि के लिए अल्पकालीन कमीशन में बने रहने का विकल्प दिया जाएगा। अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसर दो वर्ष तक पूर्ण वेतन पर कमीशन सेवा करने के उपरान्त स्थायी लेफ्टि० के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे। कार्यकालीन पदोन्नति के सम्बन्ध में वही नियम लागू होंगे जो स्थायी नियमित अफसरों पर लागू हैं।

#### (घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो कि सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होते हैं।

2/लेफ्टि० तथा लेफ्टि० की वेतन दरें इस प्रकार हैं :—

2/लेफ्टि०—400.00 रुपये प्रति माह } तथा अन्य भत्ते  
लेफ्टि०—450.00 रुपये प्रति माह } जो कि नियमित  
अफसरों को प्राप्त  
हैं।

#### (ङ) छुट्टी

छुट्टी के सम्बन्ध में ये अफसर अल्पकालीन कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो कि रक्षा सेवाओं के लिए अवकाश नियमावली भाग-1 थल सेना के अनुच्छेद पास में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल से भस आउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व उपर्युक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार छुट्टी पर जा सकते हैं।

#### (च) कमीशन का समापन

अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों पर किसी भी समय कमीशन समाप्त कर सकती है।

- (1) अवचार के लिए या असंतोषपूर्ण सेवा करने पर, या
- (2) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने के कारण।
- (3) यदि सेवाओं की और अधिक आवश्यकता न हो, या
- (4) यदि वह किसी निर्धारित परीक्षा या पाठ्यक्रम में अर्हता प्राप्त करने में असफल होता है।

तीन महीने का नोटिस देने पर एक अफसर को करुणाजन्य कारणों के आधार पर त्याग पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसका निर्णायक पूर्णतः भारत सरकार ही होगी। करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्यागपत्र देने की अनुमति प्राप्त अफसर सेवान्त उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

#### (छ) पेंशन लाभ

यह अभी विचाराधीन है।

#### (ज) रिजर्व में रहने की अवधि

अल्पकालीन कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद या उसमें कमीशन की बढ़ाई गई अवधि के उपरान्त वे पांच वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो रिजर्व में रहेंगे।

#### (झ) विविध

सेवा की अन्य सब शर्तें, जो कि उपर्युक्त व्यवस्थाओं से मेल खाते हैं वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June 1973

No. 15, dated 15th May 1973.—An examination for admission to the Officers' Training School, Madras for grant of Short Service Commission in the Regular Army shall be held by the Union Public Service Commission at such places and on such date, as may be specified in the Notice issued by 2-83GI/73

the Commission in this behalf. The number of the course and the month of its commencement at the Officers' Training School and also the approximate number of vacancies to be offered for entry on the results of the examination will be specified in the Notice is used by the Commission.

2. Admission to the Officers' Training School, Madras will be made on the results of a written examination to be conducted by the Union Public Service Commission and an interview by a Services Selection Board.

3. No candidate shall be permitted to compete more than three times at the examination.

Note.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in one or both the subjects.

4. A candidate must be a male and must either be—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a subject of Nepal, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Officers' Training School subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARD OF MEDICAL FITNESS ARE SHOWN IN APPENDIX III TO THE NOTIFICATION.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS, TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the officer's Training School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard, they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

6. No candidate

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for admission to the OTS/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

7. A candidate for admission to the examination must have attained the age of 19 years and must not have attained the age of 23 years on the first day of the month in which the Course at the Officer's Training School, Madras is due to commence.

THE PRESCRIBED AGE LIMIT CAN IN NO CASE BE RELAXED.

8. A candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

Note I.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than a date which may be fixed by the Union Public Service Commission in this regard.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy formerly Joint Services Wing/Indian Military Academy (formerly Military College/Military Wings) Air Force Flying College (formerly Air Force Academy) or Naval Academy, Cochin or Officer's Training School but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy, Officer's Training School, N.C.C. and Graduates' Courses for lack of officer-like qualities will also not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

10. The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be debarred either permanently or for a specified period :—

- (a) by the Commission for admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates, and
- (b) by the Central Government from employment under them.

12. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Union Public Service Commission.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

1. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix II to the Notification.

15. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

16. The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. The maximum marks obtainable at the written examination are 900. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests. The maximum marks obtainable at these Tests are 900.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) Services Selection Board Tests as fixed

by the Commission in their discretion. The candidates will then be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the Services Selection Board tests. The final selection for admission to the Officers' Training School will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Candidates when called for interview by a Services Selection Board, Medical Examination or for subsequently training will be eligible for travelling allowance in accordance with the rules then in force. Candidates who have previously been before a Services Selection Board for the same type of Commission are not entitled to travelling allowance, when called up for Services Selection Board interview or Medical Examination on subsequent occasions.

19. Success at the examination confers no right of admission to the Officers' Training School.

A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Officers' Training School, Madras.

20. Before the candidate joins the Officers' Training School Madras.

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered or marries while under Training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food clothing and pay and allowances received, as may be decided upon by the Government.

21. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School. Brief particulars of the training and terms and conditions of Services are given in Appendix IV to the Notification.

22. While the cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, Candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc., they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 350 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should im-

mediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district, who will forward the application to the Commandant, Officers Training School, MADRAS along with his verifications report.

23. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at  
Rs. 55.00 per month . . . . . Rs. 550.00

This amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

24. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

One being granted a commission, articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

25. Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed on leave pending acceptance of their resignation by Army Headquarters. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. Such Gentlemen Cadets are required to submit the following certificates signed by their parents/guardians along with their resignation :—

(i) I, . . . . . the parents/guardian of Gentleman Cadet of the Officers Training School, MADRAS do hereby agree to the resignation of my ward GC No. . . . . Name . . . . . being accepted.

(ii) I further declare that I accept all financial liabilities to the State on account of the resignation of Gentleman Cadet . . . . . in accordance with the rules laid down.

Signature . . . . .

Witness . . . . .

26. A Gentleman Cadet who is found unsuitable during the period of training will be discharged. Serving Personnel not finally selected for a Commission will revert to their parent service.

27. Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may, if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who are not granted Permanent Commission will be given the option to continue as Short Service Commissioned Officers for a further period of five years.

Short Service Commissioned Officers will be eligible for promotion to the rank of Substantive Lieut. after completion of 2 years of full pay commissioned Service. Acting promotion will be governed by the rules as applicable to permanent regular officers.

28. Pay, and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given in Appendix IV to the Notification.

K. V. RAMAMURTHI,  
Dy. Secy.

#### APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India  
(vide paragraph 8)

#### INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutions established by an Act of Parliament, or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

## UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

## ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

## SCOTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

## IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

## UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The University of Sind.

## UNIVERSITIES IN BANGLA DESH

The Rajshahi University.

The Dacca University.

## UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

## APPENDIX I-A

*List of qualifications recognised for admission to the examination (vide paragraph 8)*

1. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
2. French Examination "Propedeutique".
3. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
4. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
5. National Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
7. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
9. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.
10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects *i.e.*, Varishta Shastri of Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.
11. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri, Hardwar.
12. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.

## APPENDIX II

1. The competitive examination comprises :

- (a) Written examination in two subjects as shown in para 2 below carrying a maximum of 300 marks.

- (b) Interview for Intelligence and Personality Test (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres carrying a maximum of 900 marks.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Maximum Marks
(i) English .. .. .	3 hrs.	150
(ii) General Knowledge and Current Affairs. ..	3 hrs.	150

The marks obtained by candidates at the written examination out of the 300 maximum marks, will be multiplied by 3 and the resultant marks shall be deemed to be the marks obtained out of 900 maximum marks.

3. All papers must be answered in English unless otherwise expressly stated in the question paper.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

## SCHEDULE

## STANDARD AND SYLLABUS OF THE

## EXAMINATION

## PART 'A'

The standard of papers in English and General Knowledge and Current Affairs will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

## ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmenlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

## GENERAL KNOWLEDGE AND CURRENT AFFAIRS

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

## PART 'B'

## INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

## APPENDIX III

Physical Standards for Admission to the Officer's Training School, Madras.

To be passed fit for admission to the Officer's Training School, Madras a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect developments, serious malformation or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE :—(i) A candidate with a rudimentary cervical rib detectable on physical examination is to be considered unfit.

(ii) A candidate with a rudimentary cervical rib detected incidentally only on skiagram of the chest, when this is done, and in whom there are no signs or symptoms referable to the cervical rib, may be considered fit. However, the defect is minor disability and is to be noted as such in the medical board proceedings.

- (c) there is no impediment of speech.
- (d) there is no malformation of the head deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing discharge from or disease of either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx;

NOTE :—A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otolaryngology for examination and opinion.

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

N.B.—Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat, palate tonsils or gums or disease or any injury affecting the normal function of either mandibular joint;

N.B.—Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsils is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
- (l) there is no hernia or tendency thereto;

NOTE (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

- (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided :

(i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect to be produced by the candidates.

(ii) General tone of the abdominal musculature is good.

(iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

(m) there is no hydrocele, or definite varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

(ii) Undescended intra abdominal testicle, on one side should be no bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;

(p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial Scars, which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;

(q) there is no active, latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;

(s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;

(t) there is no active trachoma or its complications.

N.B.—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

### 3. Standards for Height, Weight and Chest Measurements—

#### (a) Height—

(i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer side of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such, and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm, except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates, in whose case the height in correlation table as (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm.

#### (b) Weight—

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under-pants only. In recording weight, fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation

table between age, height and average weight is given below for guidance :—

Age last birth day	Height without shoes	Average Minimum weight	Average Maximum weight
Years	Centimetres	Kgs.	Kgs.
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0
	178.0 & under 183.0	58.0	69.5
	183.0 & upwards	62.5	—
20 & upwards	160.0 & under 165.0	45.5	56.5
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5
	183.0 & upwards	63.5	—

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89, 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.6 centimetre will be ignored; and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

#### 4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw :—

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and underdeveloped 3rd molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw :—

(i) Any 4 of the 6 anteriors.

(ii) Any 6 of the 10 posteriors.

Note.—Candidates with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidates may be accepted.

#### 5. Visual Standard—

	Better eye	Worse eye
distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than—3.5 D including astigmatism. Manifest Mypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

Note 1. Fundus and Media to be health and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myopia.

3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Colour Perception.—Inability to distinguish primary colours will not be regarded as cause for rejection but the fact will be noted in the proceedings and the candidate informed.

#### 6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) *Speech test*.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) *Audiometric record*.—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. (Audiometry reading between plus 10 and minus 10).

### APPENDIX IV

*Brief particulars of the Service are given below :—*

#### *Training*

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

#### *Terms and conditions of Service*

##### (a) *Period of probation*

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

##### (b) *Posting*

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve any where in India and abroad.

##### (c) *Tenure of appointment and Promotion*

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may, if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules.

Those who are not granted Permanent Commission will be given the option to continue as Short Service Commissioned Officers for a further period of five years.

Short Service Commissioned Officers will be eligible for promotion to the rank of Substantive Lieut. after completion of 2 years of full pay commissioned Service. Acting promotion will be governed by the rules as applicable to permanent regular officers.

(d) *Pay and Allowances*

Officers granted Short Service Commissions will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt. and Lieut. are :—

Second Lieut.	Rs. 400.00 p.m.	} Plus other allowances laid down for regular officers.
Lieut.	Rs. 450.00 p.m.	

(e) *Leave* : Per leave these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commissioned Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Services Part I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) *Termination of Commission*.—An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five

years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory, or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required, or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) *Pensionary benefits*

These are under consideration.

(h) *Reserve Liability*

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous* : All other terms and conditions of Service, where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

